तापमान

अधिकतम 28.2 डिग्री

न्यूनतम 13.6 डिग्री

हरिभूमि

महासमुंद भूमि

रायपुर, सोमवार 9 फरवरी 2026

10 सत्य, प्रेम, करुणा का मार्ग दिखाता है भागवत ...

10 जनसहयोग से स्वच्छता महाभियान चलाकर ...

खबर संक्षेप

सुपरवाइजर के साथ मारपीट, जुर्म दर्ज

महासमुंद। ग्राम अछोला स्थित लाइसेंसी आहाता के सुपरवाइजर के साथ कुछ लोग मारपीट कर गल्ले में रखे हुए रुपए को लेकर चले गए। मामले की रिपोर्ट पर आरोपियों के विरूद्ध जुर्म दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस को अछोला के लायसेंसी आहाता के सुपरवाइजर तुकेश पिता बाबूलाल साहू (28 वर्ष) ने बताया कि 07 फरवरी को दोपहर करीब 1.20 बजे लक्की ठाकुर, दद्दू ध्रुवंशी, गुलशन, प्रकाश एवं उनके साथी शराब पीने आए थे। डिस्पोजल पानी लेने पर चिल्हर मांगने पर विवाद शुरू हो गया और वे लोग गालियां देने लगे। अहाता स्टाफ अभिषेक सिंह, छोटेलाल, राजू द्वारा उन्हें रोकने का प्रयास किया गया। लेकिन, वे लोग नहीं माने तथा अचानक मारपीट शुरू कर दिया, अहाता में अंदर घुसकर भी मारपीट की और गल्ले से लगभग 1800 रुपए निकाल कर ले गए और जान से मारने की धमकी दी। मामले की रिपोर्ट पर आरोपियों के विरूद्ध धारा 296, 115(2), 351(3), 309(4) बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

विवादित भूमि पर अवैध कब्जा और स्कूल का संचालन

महासमुंद। जिले के पिथौरा तहसील अंतर्गत ग्राम तरेकेला में भूमि विवाद का एक मामला सामने आया है। यहां निजी भूमि पर अवैध कब्जे और न्यायिक आदेशों के उल्लंघन के साथ-साथ बच्चों की सुरक्षा से जुड़े गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। प्रार्थी महंत हरिशचंद दास के अनुसार, ग्राम तरेकेला में उनके नाम पर दर्ज निजी भूमि बी-1/खसरा रिकॉर्ड पर कुछ लोग जबरन कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। प्रार्थी का आरोप है कि पहले इस जमीन पर व्यक्तिगत नाम से दावा किया गया था, जिसे प्रशासन ने खारिज कर दिया। अब उसी जमीन को एक समिति के नाम पर हड़पने की कोशिश की जा रही है। विवाद उस समय और गंभीर हो गया जब यह पता चला कि इसी विवादित जमीन पर संत कबीर प्रतिभा प्रगति विद्यालय चलाया जा रहा है। प्रार्थी का कहना है कि न तो भूमि स्वामी से अनुमति ली गई है और न ही स्कूल संचालन के लिए आवश्यक वैधानिक दस्तावेज मौजूद हैं। बिना मान्यता और अनुमति के स्कूल का संचालन वहां पढ़ रहे बच्चों के भविष्य और सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है।

सर्वार्थ सिद्धि योग के दुर्लभ संयोग में गूंजेंगे हर-हर महादेव के जयकारे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

फाल्गुन मास की पावन महाशिवरात्रि को लेकर जिले के शिव मंदिरों में अभी से भक्ति का उत्साह चरम पर है। शहर के छोटे-बड़े शिवालयों से लेकर ऐतिहासिक मंदिरों तक में व्यापक तैयारियां और साज-सज्जा का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। इस वर्ष महाशिवरात्रि न केवल धार्मिक आस्था बल्कि ज्योतिषीय दृष्टि से भी अत्यंत विशेष होने वाली है।

ज्योतिष गणना के अनुसार, इस साल फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि 15 फरवरी को शाम 5:06 बजे शुरू होगी और 16 फरवरी को शाम 5:35 बजे समाप्त होगी। शास्त्रों के अनुसार, महाशिवरात्रि पर शिव पूजन का विधान मध्यरात्रि (निशीथ काल) में होता है, इसलिए उदया तिथि की जगह 15 फरवरी को ही त्रयोदशी-युक्त चतुर्दशी के साथ महाशिवरात्रि मनाई जाएगी। इस दिन ग्रहों का अद्भुत संयोग बन रहा है। सूर्य, बुध, राहु और शुक्र एक साथ मिलकर एक शक्तिशाली चतुर्दशी योग का निर्माण कर रहे हैं। साथ ही, सुबह 7:08 बजे से शाम 7:48 बजे तक सर्वार्थ सिद्धि योग रहेगा। यह ज्योतिष के सबसे शुभ योगों में से एक है, जो बाधाओं को दूर कर सफलता सुनिश्चित करता है।

बम्हनी के बम्हनेश्वर नाथ, जिले के प्रमुख श्रद्धा केंद्रों में से एक, बम्हनी में भक्तों की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्था की जा रही है। कनेकेरा का कनेश्वर महादेव मंदिर, यहां भी पारंपरिक मेले और रुद्राभिषेक की तैयारियां जोरों पर हैं।

15 फरवरी को महाशिवरात्रि रहेगी धूम

प्रमुख मंदिरों में उमड़ेगा जनसैलाब

जिले के ऐतिहासिक और पौराणिक मंदिरों में विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं जिसमें सिरपुर का गंधेश्वर महादेव मंदिर, महानदी के तट पर स्थित यह ऐतिहासिक मंदिर अपनी वास्तुकला और प्राचीनता के लिए प्रसिद्ध है। यहां महाशिवरात्रि पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु जलाभिषेक करने पहुंचते हैं।

सर्वार्थ सिद्धि योग में रुद्राभिषेक होगा फलदायी

पंडितों का कहना है कि 15 फरवरी को सुबह 7:45 से शाम 7:00 बजे तक रहने वाला सर्वार्थ सिद्धि योग भक्तों के लिए वरदान साबित होगा। इस कालखंड में किया गया रुद्राभिषेक और शिव आराधना हर मनोकामना पूर्ण करती है। प्रशासन और मंदिर समितियों ने सुरक्षा, पार्किंग और पेयजल की व्यवस्था किये जा रहे हैं, ताकि भक्तों को दर्शन में सुगमता हो।

कार्रवाई : जिले के सांकरा थाना क्षेत्र के ग्राम लोहराकोट का है मामला, तीन पर केस दर्ज

नदी किनारे अवैध शराब के कारोबार पर पुलिस का छापा, शराब व आईफोन जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

- लोहराकोट के जंगल और नदी किनारे काफी समय से गुपचुप तरीके बना रहे महुआ शराब

नदी के किनारे चल रही शराब की अवैध फैक्ट्री पर पुलिस ने छापामार कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में शऱाब और उपकरण की बरामदगी की है। मामला जिले के सांकरा थाना क्षेत्र के ग्राम लोहराकोट का है जहां नदी के किनारे चल रहे अवैध फैक्ट्री के संबंध में पुलिस को मुखबिर के माध्यम से जानकारी मिली थी।

पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि लोहराकोट के जंगल और नदी किनारे काफी समय से गुपचुप तरीके से बड़े पैमाने पर अवैध महुआ शराब बनाई जा रही है। इस सूचना की गंभीरता को देखते हुए थाना सांकरा पुलिस और एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स की एक संयुक्त टीम बनाई गई। शनिवार 7 फरवरी की शाम करीब 6 बजे टीम ने पूरी योजना के साथ नदी किनारे घेराबंदी कर छापामार कार्रवाई की। पुलिस को अचानक सामने देख वहां भगदड़ मच गई।

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से 105 लीटर तैयार कच्ची महुआ शराब बरामद की। इसके साथ ही शराब बनाने के लिए रखे गए लगभग 200 किलो महुआ लाहन (कच्चा माल) को पुलिस ने मौके पर ही नष्ट कर दिया।

अधिकारियों के मुताबिक, अगर यह लाहन नष्ट नहीं किया जाता, तो इससे करीब 600 लीटर शराब और तैयार की जा सकती थी। पुलिस ने मौके से अन्य सामान भी जब्त किया है जिसमें एक बिना नंबर की स्कूटी और एक वाटर पंप, एक एप्पल कंपनी का कीमती मोबाइल फोन कीमत लगभग 1.06 लाख रुपये, 8 गैस सिलेंडर, चूल्हा, 8 बड़े ड्रम और शराब बनाने के अन्य बर्तन शामिल हैं। कुल जब्त किए गए सामान की कीमत करीब 1, 66, 200 रुपये आंकी गई है।

तीन आरोपियों पर केस, दो फरार

इस मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। मौके से तेजकुमार डडसेना (28 वर्ष), निवासी लोहराकोट को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं, दो अन्य आरोपी करण चौहान और रितेश सिन्हा मौके से फरार होने में कामयाब रहे, जिनकी तलाश पुलिस कर रही है। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में अवैध नशे के कारोबार को पूरी तरह समाप्त करने के लिए इस तरह के अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

पति-पत्नी के साथ मारपीट, दो के खिलाफ अपराध दर्ज

महासमुंद। बच्चे की छट्ठी की बात को लेकर पति-पत्नी के साथ मारपीट किए जाने के मामले में सिटी कोतवाली में आरोपियों के विरूद्ध जुर्म दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस प्रार्थिया डाकेश्वरी सिन्हा निवासी वार्ड नंबर 12 पिटियाझर ने बताया कि उसके सास-ससुर व देवर ग्राम खम्हरिया में रहते हैं। 7 फरवरी को लगभग 2 से 2.30 बजे के मध्य उसके ससुर खेमनाथ सिन्हा और देवर युवराज सिन्हा घर आये और बातचीत के दौरान बताया कि युवराज सिन्हा के बच्चे का छट्ठी कार्यक्रम 8 फरवरी को रखा गया है। इस पर प्रार्थिया ने कहा कि साथ में मेरे बच्चे डेविड सिन्हा का भी छट्ठी कार्यक्रम रखवा देते तो एक साथ दोनों बच्चों का हो जाता। इस बात को सुनकर देवर ने आवेश में आकर हम लोग क्यों करेंगे तुम्हारे बच्चे की छट्ठी कहकर गालियां देते हुए बाल को पकड़कर मारपीट करने लगा, उसी दौरान ससुर खेमनाथ सिन्हा बहुत बात करती है, कहकर धक्का देकर अपने पहने जूते को निकालकर मारने लगा। विवाद को बढ़ता देख पति राजेश सिन्हा बीच बचाव करने आए उसके साथ भी ससुर एवं मेरा देवर ने मारपीट की। युवराज सिन्हा घर में पड़े राड को उठाकर मारपीट करने लगा। आरोपियों के विरूद्ध धारा 115(2), 117(2), 296, 3(5) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया है।

शिक्षक संघ ने शिक्षा मंत्री से भेंट कर समस्याओं से कराया अवगत

महासमुंद। छग शिक्षक संघ के पालक अधिकारी गोपाल यादव की उपस्थिति एवं प्रमुख संगठन मंत्री ओंकार सिंह एवं प्रांताध्यक्ष संजय ठाकुर के नेतृत्व में शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव से भेंट कर विभिन्न समस्याओं को अवगत कराते हुए समाधान का आग्रह किया है। विदित हो कि विगत दिनों रायगढ़ में प्रांत स्तरीय दो दिवसीय शिक्षक सम्मेलन एवं शैक्षिक संगोष्ठी में शासन को 9 सूत्रीय आग्रह पत्र प्रेषित किया गया था। बताया गया कि सहायक शिक्षकों का लंबित तृतीय क्रमोन्नत वेतनमान को हरी झंडी मिल गई है। शीघ्र ही मंत्रिमंडलीय स्वीकृति के लिए कैबिनेट में प्रस्तुत की जाएगी। संगठन की मांग पर छत्तीसगढ़ शिक्षा आयोग का पुनर्गठन कर लिया गया है, इसकी घोषणा भी शीघ्र ही कर दी जाएगी। भर्ती पदोन्नति नियम 2025 के प्रकाशन से शिक्षक संवर्ग के संघर्ष पर विराम लगेगा। समस्त संवर्गों, शिक्षक से लेकर अपर संचालक तक के पदों पर पदोन्नति होगी। शिक्षा विभाग के प्रभारवाद की समाप्ति होगी। एलबी संवर्ग की सेवा गणना प्रथम नियुक्ति तिथि से करने की मांग पर शिक्षा मंत्री कहा कि पेंशन प्रकरणों के निराकरण हेतु एन पी एस कटौती के समय अर्थात 2012 से सेवा गणना की जायेगी। आरएमएसए अंतर्गत हाईस्कूल में संस्कृत विषय की व्याख्याता के पद को समाप्त कर दिया गया है, जिसे पुनः सृजित करने पर सहमति जताई तथा भृत्य, लिपिक और स्वीपर के पद को भी पुनर्जीवित करने का आश्वासन दिया गया। सहायक शिक्षक से ग्रंथपाल पर पदोन्नति/ संविलियन किया गया है। परंतु, आजपर्यंत राजपत्र में इसका प्रकाशन नहीं हुआ है एवं कोई नियम नहीं बना है(इस मांग पर मंत्री ने आश्वासन दिया कि इस पर समाधानकारक उपाय किए जाएंगे। शिक्षक (एलबी) ग्रंथपाल को शिक्षक (एलबी) संवर्ग में समायोजित करने तथा राज्य अतिथि शिक्षक (विद्या मितान) संघ को संविदा कर्मचारियों की नियम शर्तों की भांति सुविधा प्रदान करने पर सार्थक चर्चा हुई।

स्कूल प्राचार्य की कथित प्रताड़ना से क्षुब्ध छात्र ने की आत्महत्या, परिजनों में भारी आक्रोश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

दो छात्रों की आपसी लड़ाई का मामला स्कूल प्रबंधन तक पहुंचा और प्राचार्य द्वारा कथित रुप से सबके सामने अपमानित और सजा दिए जाने से क्षुब्ध होकर छात्र ने जान दे दी। मामला शहर के एक ब्लेलॉक निजी स्कूल का है। कक्षा 10वीं के छात्र भावेश यादव ने जहर खाकर जान दे दी। इस घटना के बाद से मृतक के परिजनों में मातम है और स्थानीय लोगों में गहरा आक्रोश व्याप्त है। मिली जानकारी के अनुसार, घटना की शुरुआत 6 फरवरी को हुई थी। भावेश यादव पिता उमेश यादव अन्य दिनों की तरह स्कूल गया। स्कूल परिसर में किसी बात को लेकर भावेश और दो अन्य छात्रों के बीच विवाद और मारपीट होने के बाद मामला विद्यालय प्रबंधन तक पहुंचा। सूत्रों के अनुसार प्राचार्य ने बीच-बचाव या उचित जांच करने के बजाय सारा दोष भावेश पर मढ़ दिया। परिजनों का आरोप है कि प्राचार्य ने न केवल भावेश को सबके सामने कथित रूप से प्रताड़ित किया, बल्कि उसे दो थप्पड़ और जड़ दिए। स्कूल में हुई इस घटना से भावेश गहरे मानसिक तनाव में आ गया था। स्कूल से घर लौटने के बाद वह गुमसुम था। उसी दिन शाम करीब 7 बजे उसने घर की छत पर जाकर चूहे मारने वाली दवा का सेवन कर लिया। जब उसकी तबीयत बिगड़ने लगी, तो परिजनों को घटना का पता चला। परिजनों ने आनन-फानन में उसे शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां भावेश की स्थिति में सुधार नहीं हुआ और अंततः 7 फरवरी की रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मामला शहर के एक ब्लेलॉक निजी स्कूल का

परिजनों की मांग और प्रशासन की भूमिका

परिजनों का कहना है कि अगर प्राचार्य ने बच्चे को इस तरह अपमानित न किया होता, तो वह ऐसा आत्मघाती कदम कभी नहीं उठाता। परिजनों ने आरोपी प्राचार्य के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और स्कूल प्रबंधन से भी पूछताछ की जा रही है।

दाह संस्कार के सामग्री गोकाष्ठ और कंडे की कीमतों में डेढ़ गुना की बढ़ोत्तरी

महंगाई की मार, तीन साल में डेढ़ गुना बढ़ा दाह संस्कार का खर्च

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

वर्तमान समय में बढ़ती महंगाई ने न केवल जीवित व्यक्तियों का बजट बिगाड़ा है, बल्कि अब व्यक्ति की अंतिम विदाई यानी दाह संस्कार भी महंगा हो गया है।

प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, पिछले तीन वर्षों में दाह संस्कार में उपयोग होने वाली सामग्री, विशेषकर गोकाष्ठ और कंडे की कीमतों में डेढ़ गुना तक की वृद्धि हुई है। आज से तीन साल पहले तक जिले में गोकाष्ठ (गाय के गोबर से बनी लकड़ी) के माध्यम से दाह संस्कार करने पर लगभग 3,100 रुपये का खर्च आता था। वर्तमान में यह बढ़कर 5,100 रुपये हो गया है। केवल मुख्य ईंधन ही नहीं, बल्कि अंतिम संस्कार में उपयोग होने वाली अन्य पूजन सामग्रियों की कीमतों में भी उछाल आया है, जिससे आम आदमी पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है। बढ़ती कीमतों के बाद भी लोगों का मानना है कि पारंपरिक लकड़ी की तुलना में गोकाष्ठ का उपयोग अब भी एक बेहतर विकल्प है। इसके पीछे मुख्य रूप से दो कारण हैं बताये है जिसमें यदि कोई व्यक्ति पारंपरिक लकड़ी से दाह संस्कार करता है, तो केवल लकड़ी की कीमत ही लगभग 4,000 रुपये होती है। अन्य पूजन सामग्री मिलाकर यह कुल खर्च 5,800 से 6,000 रुपये तक पहुंच जाता है। इसके मुकाबले गोकाष्ठ से दाह संस्कार 5,100 रुपये में संपन्न हो जाता है। लकड़ी जलाने की तुलना में गोकाष्ठ जलाने पर 65 प्रतिशत तक कम कार्बन निकलता है। इससे वायु प्रदूषण कम होता है और पेड़ों की कटाई पर भी रोक लगती है।

गोकाष्ठ अब भी किफायती और सुरक्षित

बढ़ती कीमतों के बावजूद, पारंपरिक लकड़ी की तुलना में गोकाष्ठ का उपयोग अब भी सस्ता और पर्यावरण के अनुकूल है। जहां लकड़ी से दाह संस्कार करने पर कुल खर्च 5800 से 6000 रुपए आता है, वहीं गोकाष्ठ से यह कार्य 5100 रुपए में संपन्न हो जाता है। जानकारों और विशेषज्ञों के अनुसार, लकड़ी की तुलना में गोकाष्ठ जलाने पर 65 प्रतिशत तक कम कार्बन निकलता है, जिससे वायु प्रदूषण कम होता है।

उत्पादन में कमी और बढ़ती मांग

रितेश अग्रवाल ने जानकारी दी कि गोकाष्ठ और कंडे का निर्माण महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा किया जाता है। वर्तमान में यह योजना बंद हो चुकी है जिसके कारण इनके उत्पादन में गिरावट आई है। बाजार में मांग अधिक है और आपूर्ति कम, जिस कारण कीमतों में तेजी आई है। सरकार और प्रशासन द्वारा पेड़ों को बचाने के उद्देश्य से लकड़ी के विकल्प के रूप में गोकाष्ठ को प्रोत्साहित किया गया था, लेकिन इसकी बढ़ती कीमतों ने अब सामान्य नागरिकों की चिंता बढ़ा दी है।

सुबह ठंड और दोपहर में महसूस होने लगी गर्मी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नर्रा

फरवरी फाल्गुन माह सप्ताह भर गुजर गए, लेकिन ठंडी की वापसी नहीं हो पाई है। दिन के दोपहर में धूप के कारण हल्की गर्मी का अहसास बढ़ने लगा है। इस वजह से दोपहर में धूप लोगों को चुभने लगी है। बता दें कि इस साल दिसंबर और जनवरी माह में कड़ाके की ठंड पड़ी है। अब भी ग्रामीण अंचल में अलसुबह ठंड की निरंतरता बनी हुई है।

खबर संक्षेप

बिरकोनी में निशुल्क जांच शिविर आज

बिरकोनी। ग्राम बिरकोनी स्थित सुभाष चौक में सोमवार 9 फरवरी को जय माँ चंडी हॉस्पिटल तुमगांव की तरफ से निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है। यह शिविर दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक चलेगा। शिविर में मरीजों को मुफ्त जांच और विशेषज्ञ परामर्श मिलेगा। स्वास्थ्य जागरुकता और वंचितों को चिकित्सीय सहायता प्रदान किया जाएगा।

महाशिवरात्रि पर्व पर शिव महात्म्य कथा

रायपुर। महाशिवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में गोदेश्वर महादेव परिवार द्वारा शिव महात्म्य कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। आयोजन समिति के पूरन साहू में बताया कि इस अवसर पर भगवान शिव के महात्म्य, उनके आदर्शों तथा शिवभक्ति के महत्व पर विस्तार से कथावाचन किया जाएगा। आयोजन स्थल पर प्रतिदिन भजन-कीर्तन, आरती एवं प्रसाद वितरण की व्यवस्था रहेगी। आयोजकों ने बताया कि महाशिवरात्रि के पावन दिनों में आयोजित यह शिव महात्म्य कथा श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक ऊर्जा एवं पुण्यलाभ का विशेष अवसर होगी।

लायब्रेरियन फेडरेशन ने स्कूल शिक्षा मंत्री से की मुलाकात

रायपुर। छत्तीसगढ़ लाइब्रेरियन फेडरेशन के पदाधिकारियों ने गत दिनों स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव से रायपुर स्थित निज निवास में पहुंचकर सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान पदाधिकारियों ने मंत्री को लगभग पंद्रह वर्षों से चली आ रही स्कूल शिक्षा विभाग के ग्रंथपाल पद के सेटअप की समस्या की ओर ध्यान आकृष्ट कराया। इसे संज्ञान में लेते हुए मंत्री ने इस दिशा में सकारात्मक पहल कर समाधान की बात कही। इस अवसर पर फेडरेशन की ओर से मेटल चित्रकार विक्रम सिंह द्वारा निर्मित मंत्री गजेंद्र यादव की मेटल पेंटिंग, उन्हें भेंट स्वरूप प्रदान की गई, जिसे देखकर मंत्री ने विशेष प्रसन्नता व्यक्त की। मुलाकात करने वालों में विक्रम सिंह, मोहेंद्र कुमार साहू, कौशल कुर्रे, रवि यादव, तुलेंद्र वर्मा, वेदन बंछोर, कुलेश्वर वर्मा, ग्रंथपाल तामन साहू आदि उपस्थित रहे।

रेलवे ने चलाया टिकट जांच अभियान, 200 यात्रियों से वसूला 62430 रुपए का राजस्व

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के वाणिज्य विभाग की ओर से शनिवार को मांढर स्टेशन पर एम्बुश टिकट जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान कई यात्री बिना टिकट के सफर करते हुए पाए गए। जांच अभियान में लोकल पैसेंजर ट्रेनों रायपुर बिलासपुर मेमू ट्रेन-68728, गोंदिया झारसुगुड़ा पैसेंजर -68861, गेवरा रोड रायपुर पैसेंजर -68745, बिलासपुर रायपुर पैसेंजर -58201, गेवरा रोड रायपुर पैसेंजर -58203, बिना टिकट यात्रा करने वाले लगभग 188 मामलों से 56415 रुपए अनियमित टिकट के 09 मामलों से 5515 रूपये 02 धूम्रपान के मामले से 400 रुपए, 01 सी केस से 100 रुपए राजस्व प्राप्त हुआ।

जो सदैव कल्याण करते हैं, वह शिव है: पं. दुबे

शहर के इमलीभाठा में शिवमहापुराण कथा सुनने उमड़ रहे श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

स्थानीय इमलीभांठा में आयोजित शिव महापुराण कथा में पं.कमलेश प्रसाद दुबे कांपा वाले ने कहा कि शिव का अर्थ ही कल्याणकारी है, जो सदैव कल्याण करते है, वही शिव है। उन्होंने महाशिवरात्रि की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि इसी दिन भगवान शिव व माता पार्वती का विवाह हुआ था, इसलिए यह रात्रि भगवान शिव को अतिप्रिय है।

इस रात्रि का पूजन जागरण करने से सूक्ष्म जगत के ऊर्जा प्रवाहों से सहज ही भक्तों का संपर्क होता है। और वे भगवान शिव की कृपा प्राप्त करते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान शिव एक लोटे जल व बिल्व पत्र के अर्पण से ही प्रसन्न हो जाते हैं। शिव पूजन सिर्फ मनोकामनाएं पूर्ति के लिए बल्कि मन को स्वच्छ व प्रसन्न करने के लिए किया जाना चाहिए। जिस तरह हम भगवान शिव का जल, दुग्ध आदि पवित्र द्रव्यों से अभिषेक करते हैं, उसी तरह हम भी अपने मन को निरंतर निर्मल करते रहें। पं. दुबे द्वारा इस अवसर पर शिव लिंग की महिमा, भगवान शिव का योगेश्वर स्वरूप का भक्तिपूर्ण वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को झूमने पर विवश कर दिया। उक्त जानकारी प्रदान करते हुए टेकराम सेन ने बताया कि पं. दुबे द्वारा भव्य संगीतमय कथा के श्रवण के लिए महासमुंद शहर सहित दूर-दूर से श्रद्धालुओं का आगमन हो रहा है। पूरा इमलीभाठा शिवमय हो गया है। उन्होंने कहा कि संध्या साहू एवं साहू परिवार द्वारा आयोजन से भक्तजनों में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। आयोजन में किरण, ममता, कल्पा, गरिमा, ध्रुवराम, शोभाराम, गोवर्धन लाल, रामेश्वरी, महेंद्र प्रताप, सुनिता, बसंत कुमार, पूर्णिमा, मीनाक्षी, सोनाली, सुहानी, गौरव, खुशहाल, दित्या एवं विजय चंद्राकर, टंडन का योगदान प्रमुख है।

हाइवे से खल्लारी तक सड़क चौड़ीकरण अब तक नहीं

खल्लारी। राष्ट्रीय राज मार्ग क्रमांक 353 से होकर ग्राम पंचायत मुख्यालय व दैवीय माता तीर्थ स्थल खल्लारी की ओर जाने वाली सिंगल सड़क का चौड़ीकरण और गौरव पथ के लिए राज्य निर्माण के इतने वर्षों बाद भी स्वीकृति नहीं मिलना ही विधानसभा क्षेत्र व लोकसभा क्षेत्र स्तर के जनप्रतिनिधियों की निष्क्रियता का यह प्रमाण है। जबकि, यह महत्वपूर्ण सड़कों में से है। सड़क चौड़ीकरण के लिए स्थानीय व क्षेत्रवासियों द्वारा लगातार मांग की जा रही है। इसके बावजूद जनप्रतिनिधियों से लेकर संबंधित विभाग व शासन प्रशासन को लोगों की सुविधा से कोई सरोकार नहीं है। वहीं खल्लारी विधानसभा क्षेत्र का मुख्यालय भी है।

ऐसे आयोजन खेल प्रतिभाओं को आगे लाने में मील का पत्थर साबित हो रहे : स्वप्निल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पिथौरा (ग्रामीण)

शहीद भगत सिंह खेल मैदान में आयोजित जिला स्तरीय ड्यूज बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता के द्वितीय दिवस के मैच का शुभारंभ मुख्य अतिथि भाजपा जिला प्रवक्ता स्वप्निल तिवारी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। कार्यक्रम के विशेष अतिथि अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला कोषाध्यक्ष परमित सिंह निशू, माटा विधायक प्रतिनिधि सुमित अग्रवाल, युवा मोर्चा महामंत्री सौरभ अग्रवाल तथा विधायक प्रतिनिधि सुरेंद्र मुन्नू पांडे उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपस्थित खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि स्वप्निल तिवारी ने कहा कि पिथौरा का नाम सदैव विभिन्न गतिविधियों और आयोजनों के लिए जाना जाता रहा है। इसी कड़ी में अब जिला स्तरीय ड्यूज बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का नाम भी जुड़ गया है। उन्होंने आयोजन समिति को इस सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि ऐसे खेल आयोजन निश्चित रूप से खेल प्रतिभाओं को आगे लाने में मील का पत्थर साबित हो रहे हैं, जिसके चलते ग्रामीण खिलाड़ियों की सहभागिता लगातार बढ़ रही है। प्रतियोगिता को लेकर खिलाड़ियों, खेल प्रेमियों और दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिला। सुबह से ही मैदान में दर्शकों की भीड़ उमड़ पड़ी। प्रतियोगिता में जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों एवं शहरी क्षेत्रों की टीमों ने भाग लिया, जहां खिलाड़ियों ने अपने खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों का मन मोह लिया। इस अवसर पर आयोजन समिति के सदस्य कौशलदास मानिकपुरी, चिरंजीव सिंहा, डोलामणि, अंजय सिन्हा, भोजराज डड़सेना, पोलेश मिश्रा, राहुल यादव, विकास डड़सेना, अविनाश पटेल, सैलेंद्र डड़सेना, रोमन साहू सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी व दर्शकगण उपस्थित थे।

तीन दिवसीय बालवाड़ी शिक्षक प्रशिक्षण का प्रथम चरण हुआ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन को ध्यान में रखते हुए संचालक एससीईआरटी रायपुर के आदेशानुसार महासमुंद जिला के समस्त बालवाड़ी शिक्षकों को 2 दिवसीय ऑनलाइन और तीन दिवसीय ऑफलाइन प्रशिक्षण का आयोजन तीन चरण में किया जाना है। इस अंतर्गत जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान महासमुंद द्वारा अरुण प्रधान प्राचार्य के मार्गदर्शन में प्रथम चरण में 16 एवं 17 फरवरी को ऑनलाइन प्रशिक्षण एवं 5 फरवरी से 7 फरवरी तक तीन दिवस फेस टू फेस प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है।

प्रशिक्षण के अंतिम दिवस समापन समारोह में अरुण प्रधान प्राचार्य, उमादेवी शर्मा उप प्राचार्य, राजेश चंद्राकर सहायक प्राध्यापक एवं बालवाड़ी प्रशिक्षण प्रभारी, चमन चंद्राकर प्राचार्य शाउमावि बम्हनी के आतिथ्य में हुआ। समापन समारोह पर इस प्रशिक्षण के मार्गदशक अरुण प्रधान प्राचार्य डाइट द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत बालवाड़ी के मार्गदर्शी सिद्धांतों पर प्रकाश डालते हुए फाउंडेशनल पेडागॉजी के तथ्यों पर उपस्थित शिक्षक प्रशिक्षार्थियों के साथ समझ बनाने का प्रयास किया गया। बालवाड़ी की कक्षा में बच्चों का मानवीय मूल्यों का विकास उनके जीवन का लक्ष्य बनाने और उसने द्वारा सार्थक कार्यो के क्रियान्वयन में सक्षम बनाता है। प्रशिक्षण को संबोधित करते हुए प्रशिक्षण के नोडल अधिकारी उमादेवी शर्मा उपप्राचार्य डाइट ने इस प्रशिक्षण के आवश्यकता एवं महत्व पर जोर देते हुए बताया कि बच्चे अपने फाउंडेशनल स्तर के प्रारंभिक चरण में एक अनुकूल वातावरण को प्राप्त कर आपेक्षित दक्षताओं में बच्चे सक्षम बन सके, इसलिए बालवाड़ी का क्रियान्वयन प्राथमिक विद्यालय में किया जा रहा है। प्रशिक्षण प्रभारी राजेश चंद्राकर ने बताया कि उच्च कार्यालय से प्राप्त मॉड्यूल अनुसार इस प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। बालवाड़ी के संचालन का उद्देश्य बच्चों के भावनाओं को समझना है। बच्चों के भावनाओं को नियंत्रित करने का विभिन्न वैज्ञानिक तकनीक है। बालवाड़ी में बच्चों के भावनाओं को समझते हुए उन्हें प्रोत्साहन देते हुए गतिविधियों के माध्यम से शैक्षिक संरचना के फाउंडेशन स्तर के अनुरूप सक्षम बनाने का प्रयास करते है। प्रशिक्षण के अंतिम में समस्त प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र दिया गया। उदघाटन एवं समापन समारोह का संचालन ईश्वर चंद्राकर शिक्षक एवं एजुसेट प्रभारी ने किया। बालवाड़ी प्रशिक्षण के डीआरजी झरना साहू डाइट, खेमिन साहू शाप्राशा बेमचा, गीता साहू शाप्राशा सुअरमाल, सीमा यादव ने प्रशिक्षण के तीन दिवस में एनईपी 2020, एनसीएफ एफएस 2022, ईसीसीई के महत्व, बच्चों की अवाधरणा, अधिगम शैली की विविधता, विकास के आयाम, बच्चों की विकासात्मक आवश्यकताएँ स्कूल रेडिनेस परिचय पालकों की सहभागिता एवं प्रारंभिक वर्षों के लिए शिक्षण के तरीके दैनिक कार्ययोजना थीम आधारित पाठ्यक्रम क्या क्यों कैसे गतिविधि पुस्तकों का परिचय जेंडर संवेदनशीलता बालावाड़ी के गतिविधि आदि विषय पर विस्तारपूर्वक समझ बनाया गया। प्रशिक्षण में प्रमुख रूप से के सिंह सहायक प्राध्यायक, सुलभा द्विवेदी सहायक प्राध्यापक, एमडी वर्मा सहायक प्राध्यापक, व्याख्याताद्वय संतोष साहू, टेकराम सेन, सुमन दीवान, किरण कन्नौजे, दुर्गा सिन्हा, तिलोतमा प्रधान, लक्ष्मी सिन्हा, प्रशिक्षण प्रभारी लिपिक सुषेण दीवान, तरुण चंद्राकर आदि मौजूद रहे।

एसी-कूलर का गर्म होने लगा बाजार 900 करोड़ रुपए का होगा कारोबार

जीएसटी कम होने से 40 हजार के एसी पर चार हजार कम हो गए दाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

गर्मी का आगाज इस बार अभी नहीं हो सका है, लेकिन कारोबारियों ने एसी और कूलरों का स्टॉक मंगाकर रख लिया है। एसी और कूलरों का बाजार इस माह से गर्म होना प्रारंभ हो गया है। अगले माह से इसमें तेजी भी आ जाएगी। इस बार सीजन में डेढ़ लाख से ज्यादा एसी बिकने का अनुमान है। बीते साल सवा लाख एसी बिके थे। पहली बार गर्मी के सीजन में इतने ज्यादा एसी बिके थे। इसके पीछे का कारण यह है कि अब गांवों से भी एसी की बहुत ज्यादा डिमांड आ रही है और ग्रामीण भी एसी खरीद रहे हैं। इस सीजन में एसी और कूलरों का मिलाकर 900 करोड़ का कारोबार हो जाएगा। एसी के दाम इस बार जीएसटी कम होने के कारण दस फीसदी तक कम हो गए हैं। एयर कंडीशनर यानी एसी भी अब खास से आम गया है। एक समय था, जब इसकी डिमांड बड़े शहरों और अमीरों के घरों के लिए होती थी, लेकिन अब एसी की डिमांड बड़े शहरों से हटकर गांवों और छोटे शहरों में भी बढ़ गई है। अब मध्यम वर्ग के घरों में भी एसी एक से ज्यादा लग रहे हैं।

600 करोड़ का होगा एसी का कारोबार

कम और ज्यादा कीमत को देखते हुए एक एसी की औसत कीमत अगर 40 हजार मान लें तो इस सीजन में करीब छह सौ करोड़ का कारोबार हो जाएगा। इस बार तो कीमत में दस फीसदी तक की कमी आई है। बीते साल सितंबर में जीएसटी को एसी पर 28 फीसदी के स्थान पर 18 फीसदी कर दिया गया है। ऐसा होने से 40 हजार का एसी चार हजार रुपए कम हो गया है। तीस हजार वाला एसी तीन हजार रुपए कम हो गया है। दाम कम होने से भी कारोबार ज्यादा होगा।

तीन साल में एसी का कारोबार डबल

एसी का कारोबार बड़ा होता है। ब्रांडेड एसी 30 हजार से एक लाख तक के आते हैं। पहले एसी कम बिकते थे, लेकिन बीते तीन सालों से एसी की डिमांड बढ़ गई है। हर साल 15 से 20 हजार एसी ज्यादा बिक रहे हैं। तीन साल पहले प्रदेश में 50 हजार के आस-पास ही एसी बिकते थे, लेकिन जहां 2023 में 65 हजार के आस-पास एसी बिके, वहीं 2024 में 80 हजार बिके हैं। बीते साल सवा लाख एसी बिके हैं। ऐसे में बीते साल 45 हजार एसी ज्यादा बिके। यानी कारोबार में 50 फीसदी का इजाफा हो गया।

300 करोड़ के बिकेंगे कूलर

गर्मी के सीजन में सबसे बड़ा कारोबार कूलरों का होता है। 2023 में जहां तीन लाख कूलर बिके थे, वहीं 2024 में साढ़े तीन और बीते बीते साल चार लाख से ज्यादा कूलर बिके हैं। इस बार पांच लाख से ज्यादा कूलर बिकने का अनुमान है। लोकल कूलरों में विंडो कूलरों की मांग ज्यादा रहती है। ये कूलर चार से आठ हजार के बीच मिलते हैं। आज-कल तो दो हजार तक के छोटे कूलर भी आने लगे हैं। इसके अलावा रूम कूलरों की भी बड़ी डिमांड रहती है। रूम कूलरों में ब्रांडेड कूलर जहां 10 से 12 हजार के मिलते हैं, वहीं लोकल कूलर 5 से 8 हजार में मिल जाते हैं। एक कूलर की औसत कीमत छह हजार माने तों सीजन में इसका कारोबार भी तीन सौ करोड़ हो जाएगा।

सरोना में बनेगा 100 बिस्तर का आधुनिक अस्पताल खमतराई से तिलकनगर तक होगा सड़क डामरीकरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर पश्चिम क्षेत्र के संत रविदास वार्ड स्थित सरोना में आधुनिक सुविधाओं से युक्त 100 बिस्तर वाला अस्पताल बनेगा। इससे इस क्षेत्र के रहवासियों को सुगमता से स्वास्थ्य सुविधा मिल सकेगी। खमतराई से तिलक नगर तक धूल और कीचड़ से निजात दिलाने वहां 2 करोड़ 34 लाख की लागत से चकाचक सड़क बनेगी। क्षेत्र के विधायक राजेश मूणत ने गुरुवार को जोन 1 क्षेत्र के रहवासियों को 3 करोड़ 16 लाख की लागत के विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी। सरोना में आधुनिक सुविधाओं से युक्त अस्पताल निर्माण के लिए जल्द भूमिपूजन होगा।

विधायकराजेश मूणत ने पश्चिम विधानसभा क्षेत्र को विकास के मामले में आदर्श विधानसभा बनाने संकल्प के साथ शनिवार को जोन 1 क्षेत्र में 3 करोड़ 16 लाख के विकास कार्यो का उपहार दिया। राजेश मूणत ने खमतराई, ठक्कर बापा वार्ड, नेताजी कन्हैया लाल बाजारी वार्ड और बाल गंगाधर तिलक नगर वार्ड में डामरीकरण कार्यो का भूमिपूजन किया। इस मौके पर निगम सभापति सूर्यकांत राठौर, जोन अध्यक्ष गज्जूराम साहू विशेष रूप से उपस्थित रहे। भूमिपूजन के अवसर पर राजेश मूणत ने कहा, सड़कों के डामरीकरण से वार्ड में धूल की समस्या दूर होगी और इससे लोगों के स्वास्थ्य में सुधार होगा। संत रविदास वार्ड के सरोना में 100 बिस्तर के भव्य अस्पताल के लिए जगह चिन्हिंत कर ली गई है। कागजी प्रक्रिया अंतिम चरण पर है, बहुत जल्द भूमिपूजन कर काम शुरू होगा।

लभांडी से कचना तक सड़क निर्माण प्रभावितों ने बेघर होने का जताया अंदेशा

कांग्रेसी नेता पंकज शर्मा से उनके निवास में की मुलाकात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

लभांडी के गरीब एवं मेहनतकश परिवारों के हक और उनके आशियाने की रक्षा के लिए आज लभांडी के प्रभावित नागरिकों को साथ लेकर रायपुर ग्रामीण विधानसभा के कांग्रेस प्रत्याशी रहे पंकज शर्मा से उनके बांसटाल स्थित निवास में मुलाकात की गई।

लाभांडी से कचना तक सड़क निर्माण के लिए लोक निर्माण विभाग के अधिकारी द्वारा पटवारी और आरआई के साथ जमीन की नापजोख की जा रही है। प्रस्तावित सड़क निर्माण के दायरे में कई गरीब परिवार आ रहे हैं। प्रभावित परिवारों का कहना है, सालों से जिस जमीन और मकान पर रहते आ रहे हैं, सड़क निर्माण से उनका आशियाना प्रभावित होने का अंदेशा है। उनका ये कहना है कि उन्हें बेघर न किया जाए। लालबहादुर शास्त्री वार्ड पार्षद रेणु-जयंत साहू के साथ प्रभावित परिवारों ने कांग्रेसी नेता पंकज शर्मा से मुलाकात कर अपनी परेशानी बताई। पार्षद रेणु जयंत साहू ने कहा कि हमारा विरोध विकास से नहीं है, लेकिन गरीबों के मकान तोड़कर विकास करना किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं होगा। यदि शासन सही में सड़क बनाना चाहता है तो समीप स्थित बीसीआर हॉस्पिटल की ओर से वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध है, जहां से सड़क निर्माण संभव है और किसी भी गरीब परिवार का घर नहीं टूटेगा। उस मार्ग का उपयोग सड़क निर्माण में किया जा सकता है।

प्रभावितों परिवारों की समस्या सुनने के बाद पंकज शर्मा ने मामले की गंभीरता को समझते हुए संबंधित अधिकारियों से तत्काल दूरभाष पर चर्चा की और प्रभावित नागरिकों की उपस्थिति में पुनः सर्वे करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी बताया कि जिन परिवारों के मकान प्रभावित हो रहे हैं, वे प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राही हैं ,तथा उनके पास वैध पट्टा भी उपलब्ध है। ऐसे में उन्हें बेघर करना पूरी तरह अन्यायपूर्ण होगा। वार्ड पार्षद ने मांग की है कि सड़क निर्माण वैकल्पिक स्थान से किया जाए और गरीबों के मकानों को सुरक्षित रखा जाए। जनभावनाओं की अनदेखी कर किसी भी प्रकार की कदम उठाया गया तो उसका लोकतांत्रिक तरीके से पुरजोर विरोध किया जाएगा।

चिरको कालेज में वार्षिकोत्सव व पुरस्कार वितरण समारोह

पटेवा। शासकीय नवीन महाविद्यालय चिरको के वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। समापन में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद अध्यक्ष दिशा रामस्वरूप दीवान की उपस्थिति रही। इस अवसर पर महाविद्यालय प्रतिनिधिमंडल के महामंत्री सुनील पटेल, जनपद सदस्य रोशन पटेल, सांसद प्रतिनिधि राकेश साहू, झलप मंडल के उपाध्यक्ष कुलजीत सलूजा, ग्राम पंचायत चिरको के सरपंच भट्ट, उपसरपंच दुष्यंत ध्रुव, मनोज यादव, बलिराम चौधरी, पोद्दार, निशा जोगी तथा चिरको महाविद्यालय की प्राचार्य दीवान विशेष रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं की भी सराहनीय और सहभागिता रही, जिससे समारोह अत्यंत सफल एवं यादगार बन पड़ा।

खबर संक्षेप

कथा श्रवण करने पहुंचे नपा उपाध्यक्ष

महासमुंद। वार्ड क्रमांक 14 कबीर बाड़ा में आयोजित शिव महापुराण कथा के पंचम दिवस में नपा उपाध्यक्ष देवीचंद राठी, भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष महेंद्र सिका, पार्षद माखन पटेल, भाजपा नेता हनीष बग्गा शामिल होकर कथा श्रवण किया। कथा में भगवान राम के जन्म से लेकर राजतिलक तक का वर्णन किया गया तथा भगवान राम की झांकी के माध्यम से राजतिलक हुआ। कथा आयोजक नंदकुमार साहू है। तत्पश्चात इमली भाठा वार्ड क्र.10 संध्या साहू के निवास पर शिव महापुराण कथा पूजन एवं महाआरती में भी शामिल हुए। इस अवसर पर भाजपा नेत्री पार्वती साहू, सुनीता साहू, वार्ड क्र. 01 के पार्षद प्रतिनिधि गिरजा शंकर चंद्राकर उपस्थित रहे।

चर्म रोग जांच आज से

महासमुंद। स्थानीय मुख्य मार्ग स्थित महासमुंद मेडिकल स्टोर्स में प्रत्येक सोमवार से गुरुवार एवं शनिवार को समय दोपहर 1:30 बजे से 2:30 बजे तक चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ. गरिमा शर्मा (एमबीबीएस, एमडी) रायपुर अपनी सेवाएं देंगे। चर्म रोग जांच में दाद, खाज, खुजली, एक्जिमा, सोरियासिस, एलर्जी, सफेद दाग, कुष्ठ रोग, केंदवा रोग, मुहांसे, झांई, झुर्रिया, तिल, मस्से, गुप्त रोग, सर के बालों से संबंधित समस्याओं की जांच की जाएगी।

थायराईड व कैंसर रोग जांच एवं परीक्षण रोज

महासमुंद। स्थानीय इंदिरा मार्केट मेन रोड स्थित महासमुंद मेडिकल स्टोर्स में प्रतिदिन शाम 5 बजे बजे से शाम 7 बजे तक नाक, कान, गला, थायराईड, कैंसर रोग जांच एवं परीक्षण का आयोजन किया गया है। डॉ. चंचल लहरी रोगियों की सेवा एवं परामर्श के लिए उपल्बध रहेंगी। जांच में कान का बहना, आवाज गूंजना, सुनने में परेशानी होना, तंबाखू व गुटखे से गले व मुंह का कैंसर, लगातार सर्दी जुकाम, एलजी व खर्राटे, थायराईड, घेघा रोग की शिकायत, गले व नाक एवं कान की जांच की जाएगी।

समझाइश : जरूरत से ज्यादा स्क्रीन टाइम थकान, तनाव और चिड़चिड़ापन भी बढ़ाता है

लंबे समय तक मोबाइल के इस्तेमाल से याददाश्त, एकाग्रता और मूड पर नकारात्मक असरः डॉ. युगल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

आस्था वेलफेयर सोसायटी ने शिशु संस्कार स्कूल के साथ मिलकर शनिवार को शाला में मोबाइल नशे के खिलाफ जागरूकता कार्यक्रम अंतर्गत पोस्टर प्रतियोगिता, पोस्टर प्रदर्शनी समेत मोबाइल के उपयोग को लेकर एक कार्यशाला का आयेजन किया गया। जिसमें बच्चों तथा उनके पालकों ने भी हिस्सा लिया। यह कार्यक्रम मिडिल स्कूल के बच्चों को लिए आयेजित था।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सोहम अस्पताल के डायरेक्टर डॉ युगल चंद्राकर थे। अध्यक्षता स्कूल संचालक पारस चोपड़ा ने की। विशेष अतिथि तथा वक्ता के रूप में पुलिस विभाग से चित्रलेखा नवरंगे, समाज कल्याण विभाग से अनिल कोसरिया, पत्रकारों की ओर से उत्तरा विदानी, आस्था संस्था की ओर से तारिणी चंद्राकर व प्राचार्य अवनीश वाणी उपस्थित थे। कार्यक्रम के अध्यक्ष अतिथि पारस चोपड़ा ने कहा कि बच्चे और पालक दोनों को स्कूल के नियमों का पालन करते हुए बच्चे के उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर होना चाहिए। बच्चे में यदि किसी भी तरह की लत देखें तो पालक तत्काल एक्टिव हो जाएं और बच्चे को शांत मन से उस लत से छुटकारे की पहल करें। यदि शिक्षकों के सहयोग की जरूरत पड़े तो स्कूल पहुंचकर शिक्षकों से सहयोग लें। अपने बच्चे को नित्य प्रति स्कूल भेजें और अपने बच्चे के हर एक्टिविटीज पर ध्यान दें।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. युगल चंद्राकर ने बच्चों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाया कि मोबाइल किस तरह हमारे दिमाग पर असर करता है। उन्होंने बताया कि आज के समय में मोबाइल फोन बच्चों की जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुका है। स्कूल से घर तक खेलकूद से पढ़ाई तक, सब कुछ अब स्क्रीन के इर्द-गिर्द घूमने लगा है। कहा कि रिसर्च से पता चलता है कि मोबाइल की गलत आदतें बच्चों के दिमाग और ग्रोथ को कमजोर कर रही हैं।

स्कूल के प्राचार्य अवनीश वाणी ने बच्चों को बताया कि मोबाइल भस्मासुर है। वह जिस किसी के हाथ में आता है, वह अपना आपा खो देता है। उन्होंने शिवजी और भस्मासुर वाली अध्याय को जोडक़र बच्चों के बीच प्रस्तुत करते कहा कि मोबाइल देखना गलत नहीं है। उसे आदत में शामिल करना गलत है। जब वह हमारी आदत में शामिल हो जाता है तो हमारा नींद, चैन सब कुछ छीन लेता है और यहां तक हम आत्महत्या तक की बात सोच लेते हैं। उन्होंने गाजियाबाद में तीन बहनों की आत्महत्या का जिक्र करते हुए कहा कि जीवन से बड़ा कुछ भी नहीं होता। आपके हाथ में रहने वाले मोबाइल फोन आपसे स्मार्ट कभी नहीं हो सकता। हमारा हर बच्चा मोबाइल से कहीं अधिक स्मार्ट है, लेकिन दुःखद यह है कि बच्चा खुद के बजाय मोबाइल को स्मार्ट समझकर उससे दोस्ती कर लेता है। वह आपका दोस्त नहीं है। वह सिर्फ भस्मासुर है।

उन्होंने सरल भाषा में बताया कि मोबाइल के बुरे प्रभाव कौन-कौन से हैं और इससे कैसे बचा जा सकता है। उन्होंने उपस्थित बच्चों और पालकों को बताया कि बच्चों के स्क्रीन टाइम यानी मोबाइल डिवाइस पर बिताया गया समय उनके दिमाग की ग्रोथ, ध्यान, याददाश्त और व्यवहार पर असर डाल सकता है। एक बड़ी समीक्षा में यह पाया गया है कि मोबाइल और डिजिटल तकनीक बच्चों के दिमाग के प्रि.फ्रंटल कॉर्टेक्स हिस्से को प्रभावित करती है, जो एक्जीक्यूटिव फंक्शन्स जैसे कि प्लान बनाना, निर्णय लेना और ध्यान बनाए रखना आदि को कंट्रोल करता है। लगातार मोबाइल फोन का इस्तेमाल दिमाग की फोकस क्षमता को कमजोर करता है। ब्लू लाइट नींद की गुणवत्ता बिगाड़ती है और लंबे समय तक इस्तेमाल से याददाश्त, एकाग्रता और मूड पर नकारात्मक असर पड़ता है। जरूरत से ज्यादा स्क्रीन टाइम थकान, तनाव और चिड़चिड़ापन भी बढ़ाता है।

बिगड़ चुके हैं हालात

समाज कल्याण विभाग से अनिल कोसरिया ने बताया कि बच्चों को मोबाइल से जो नुकसान हो रहा है उसकी भरपाई कतई संभव नहीं है। सबसे जरूरी बच्चों को मोबाइल की लत से छुटकारा है। अब हालात काफी बिगड़ चुका है, ऐसे में हमें खासकर पालकों को बच्चे तमाम गतिविधियों पर नजर रखते हुए उनके साथ स्नेह से पेश आने की जरूरत है।

पत्रकार उत्तरा विदानी ने कहा कि पालकों ने खुद ही बच्चों को समय देना छोड़ दिया है और चाहते हैं कि उनका बच्चा आगे जाकर समाज और परिवार का नाम रौशन करे। जबकि हर पालक को अपने बच्चे का बेस्ट दोस्त बन जाना चाहिए। पालक स्कूल के भरोसे अपने बच्चे को छोडक़र खुद ही मोबाइल में व्यस्त रहते हैं। बच्चा अकेलेपन से ऊबकर मोबाइल से दोस्ती कर लेता है। उसका बुझा हुआ दिमाग मोबाइल से दोस्ती कर लेता है और जो दशा है वह साफ है। हर बच्चा अपने मां बाप और गुरुजनों से सीखता है। गुरु तो सृष्टि के शुरुआत से ही समाज निर्माण का कर्तव्य निभा रहा है लेकिन समय बदल चुका है। मोबाइल के प्रवेश के बाद पालकों ने लगभग अपनी जिम्मेदारी खत्म कर दी है। ऐसे में सिर्फ गुरुओं से ही श्रेष्ठ समाज की कल्पना बेमानी है। पालकों को अपने बच्चे के साथ बच्चा बनना पड़ेगा। सच मानिये कि अपने बच्चे से बढिय़ा दोस्त कोई नहीं हो सकता।

बच्चों के लिए हुई पोस्टर मेकिंग स्पर्धा

इस दौरान बच्चों के लिए पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता भी हुई। जिसमें प्रथम, द्वितीय, तृतीय और चतुर्थ स्थान प्राप्त बच्चों को सोहम हास्पिटल तथा आस्था वेलफेयर संस्था की ओर से पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम का संचालन तारिणी चंद्राकर, भावना बजाज ने किया। इस अवसर पर आस्था संस्था से निरंजना, अर्चना, जय, शोभा शर्मा, तुषार चंद्राकर तथा स्कूल स्टाफ मौजूद थे।

मोबाइल के चलते हो रहे गैरकानूनी काम

पुलिस विभाग से चित्रलेखा नवरंगे ने बच्चों को बताया कि किस तरह बच्चे मोबाइल के आदी होकर छोटे-बड़े अपराध कर रहे हैं। अब तो शराब, जुआ, सिगरेट से अधिक मोबाइल के चलते गैरकानूनी काम हो रहा है। जलिहाजा, पुलिस विभाग ने स्कूलों में जाकर बच्चों को अन्य नशे की तरह मोबाइल के नशे से छुटकारे के लिए भी जागरुकता कार्यक्रम चला रही है। समाजसेवी तारिणी चंद्राकर ने कहा कि अब समय आ गया है कि बच्चों के ळिए खास पहल किया जाए। बच्चों के बच्चों को माता पिता साथ मिले, यह उनका अधिकार है। जब बच्चे अकेले महसूस करते हैं तो तरह-तरह के लत की ओर झुकाव हो जाता है, जो बड़े बुजुर्ग है, वे भी तब ही बच्चों पर ध्यान देना शुरू करते हैं जब उनका बच्चा किसी न किसी नशे तरह की लत में धंस चुका होता है। ऐसे में बच्चों का असामाजिक होना स्वाभाविक है।

सशिमं लाफिनखुर्द में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया वार्षिक उत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर लाफिनखुर्द में वार्षिक उत्सव का आयोजन अत्यंत हर्षोल्लास, गरिमामय एवं सांस्कृतिक वातावरण में हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के भैया-बहनों द्वारा छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति पर आधारित पारंपरिक गीतों एवं नृत्यों की आकर्षक प्रस्तुतियां दी गईं, जिसने कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित ग्रामीणजनों, अभिभावकों एवं अतिथियों को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम स्थल को आकर्षक ढंग से सजाया गया था, वहीं बच्चों की पारंपरिक वेशभूषा ने छत्तीसगढ़ी संस्कृति की सुंदर झलक प्रस्तुत की। भैया-बहनों की सुसंयोजित नृत्य-प्रस्तुतियों पर दर्शकों ने तालियों के साथ उत्साहवर्धन किया।

ग्राम पंचायत लाफिनखुर्द के उपसरपंच शिवकुमार निषाद, भागीरथी साहू, शंकर कुमार कनौजे (पंच), विद्यालय के व्यवस्थापक रेखराज साहू, अध्यक्ष लोकनाथ साहू, आचार्य वीरेंद्र ध्रुव एवं पूर्व व्यवस्थापक नामदेव साहू द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र पर पुष्प अर्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय के व्यवस्थापक रेखराज साहू ने सरस्वती शिशु विद्या मंदिर की स्थापना एवं उसके उद्देश्य पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि विद्यालय की स्थापना शैक्षणिक सत्र 1994–95 में की गई थी। सीमित संसाधनों के बावजूद विद्यालय ने शिक्षा, संस्कार एवं संस्कृति के क्षेत्र में निरंतर प्रगति की है। उन्होंने कहा कि शिशु विद्या मंदिर केवल किताबी शिक्षा ही नहीं, बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास पर बल देता है। आज विद्यालय से शिक्षा प्राप्त कर अनेक छात्र-छात्राएं शासकीय सेवाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं, जो पूरे क्षेत्र के लिए गौरव की बात है।

रेखराज साहू ने बताया कि शिशु विद्या मंदिर परिवार द्वारा प्रतिवर्ष वार्षिक उत्सव का आयोजन बच्चों की सांस्कृतिक, बौद्धिक एवं रचनात्मक प्रतिभा को मंच देने के उद्देश्य से किया जाता है। इस प्रकार के आयोजनों से बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है। और वे अपनी संस्कृति से जुड़ाव महसूस करते हैं। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिवार ने ग्राम लाफिन खुर्द के ग्रामीणों के सहयोग की सराहना की। इसी क्रम में ग्राम के पीतांबर यादव द्वारा प्रतिवर्ष विद्यालय को 5000 रुपए का सहयोग राशि प्रदान की जाती है, जिसका उपयोग विद्यालय की सांस्कृतिक गतिविधियों, खेलकूद एवं शैक्षणिक आयोजनों में किया जाता है। इस वर्ष भी उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सरस्वती शिशु विद्या मंदिर परिवार द्वारा पीतांबर यादव को प्रशस्ति पत्र एवं मां सरस्वती का छायाचित्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

संसार का हर बच्चा न्याय का याचक, सत्य वक्ता सही कार्य व्यवहार का है इच्छुक : गेंदलाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

बालवाडी शिक्षा प्रशिक्षण, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान महासमुंद द्वारा आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में प्रतिभागी के रूप में उपस्थित कोकड़ी सरकारी स्कूल, बालवाड़ी केंद्र प्रभारी शिक्षक गेंदलाल कोकड़िया ने बालवाड़ी प्रशिक्षण को मानवीय मूल्यों की शिक्षा के आधार पर संजोने की मांग की है। कोकड़िया के अनुसार प्रशिक्षण और ज्यादा प्रभावी तब होगा, जब बालवाड़ी प्रशिक्षण और शिक्षण प्रक्रिया हमारे बच्चों के वास्तविक जीवन से जुड़ा हो।

ग्रामीण जीवन शैली पर आधारित हो। क्योंकि अधिकांश बालवाड़ी केंद्र गांवों में हैं, शहर में बहुत कम, ग्रामीण स्तर पर अधिकांश बालवाड़ियां, आंगनबाड़ी केंद्रों में संचालित है। जबकि, एकमात्र बालवाड़ी कोकड़ी सरकारी स्कूल में संचालित है। ग्रामीण स्तर पर बच्चों में मानवीय मूल्यों का अभ्यास और अध्ययन का अभाव है। छोटे -छोटे बच्चों में स्वच्छता, सही संबोधन, आहार, विहार और उनके व्यवहार सहित, उनकी दिनचर्या, उनके शारीरिक और मानसिक विकास पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

इसके लिए बालवाड़ी प्रभारी शिक्षकों सहित आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व सहायिकाओं को मानसिक रूप से विकसित करने की जरूरत है। बालवाड़ी के बच्चे विकसित भारत -विकसित संसार के भविष्य हैं,बालवाड़ी केंद्रों का पेंटिंग्स और सूक्ति लेखन में सहयोग, आज्ञापालन, नियंत्रण, अनुशासन और स्वानुशासन बच्चे, माता-पिता, दादा-दादी, परिवार, भाई -बहिन, मित्र -मित्र, और प्रकृति संबंधित संबंधों व चित्रों को सजाने व उभारने की जरूरत है, जो कि कोकड़ी सरकारी स्कूल के अतिरिक्त बाकी बालवाड़ियों में नहीं है।

डाइट प्राचार्य और जिला बालवाड़ी प्रभारी समेत सभी डीआरजी व बीआरजी को अतिशीघ्र इस आधार पर डाईट महासमुंद में कार्य शाला आयोजित करने की मांग कोकड़िया ने की। जिसका अन्य बालवाड़ी प्रभारी शिक्षकों ने समर्थन किया है।

प्रभारी राजेश चंद्राकर डाइट, डीआरजी बालवाड़ी हेमिन साहू बेमचा, झरना साहू, बीआरजी, सीमा यादव, गीता साहू सुअरमाल बागबाहरा व डाइट प्राचार्य अरुण प्रधान, उपप्राचार्य उमा देवी शर्मा, डाइट शिक्षक ईश्वर चंद्राकर, किरण कन्नौजे आदि मौजूद रहे।

प्रदेश के 12 जिलों में कका भतीजा नाचा गम्मत के कलाकारों ने मचाया धूम

लोगों को स्वस्थ मनोरंजन के साथ-साथ जागरुकता का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नर्रा

छत्तीसगढ़ के पारंपरिक विधा नाचा गम्मत के संरक्षण संवर्धन एवं उनके उत्थान के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ प्रदेश स्तरीय नाचा गम्मत लोक कलाकार कल्याण संघ के प्रदेश अध्यक्ष एवं कका-भतीजा नाचा गम्मत सराईपाली कोमाखान के संस्थापक रंजीत चक्रधारी एवं उनके कलाकारों द्वारा बीते जनवरी माह में अनेक जगहों पर अपनी प्रस्तुति दी।

गांवों में नया फसल आने खुशी, अन्नपूर्णा देवी के पूजन, गरियाबंद, बालोद, धमतरी, दुर्ग, बलौदाबाजार, रायपुर, महासमुंद, सारंगढ़ मानपुर मोहला, कांकेर, राजनांदगांव, खैरागढ़ सहित छत्तीसगढ़ प्रदेश के दूरांचल ग्रामों में मड़ाई मेलों में नाचा गम्मत के कलाकारों द्वारा प्रस्तुति दी गई।

जहां छत्तीसगढ़ प्रदेश के संस्कृति की छटा बिखेरते हुए शिक्षाप्रद कहानी, बॉल-विवाह, दहेज प्रथा नाटक, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ नाटक, नशा उन्मूलन, अंधविश्वास पर आधारित

नाटक की प्रस्तुति का मंचन कर स्वस्थ मनोरंजन करने सहित सामाजिक जागरुकता सामाजिक जनचेतना एवं सामाजिक जनजागृति लाने के उद्देश्य एवं अनेक प्रकार के समाज को प्रेरित करने वाले लोक नाटकों के माध्यम से संदेश दिया। छत्तीसगढ़ सहित पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश में नाचा गम्मत के कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति दी। संस्था में धनेश्वर साहू, विष्णु यादव, पाल धुर्वा, भूषण नागेश, त्रिभुवन निषाद, गिरधारी पटेल, कीर्तन पटेल, अमृत यादव, चुम्मन साहू, सुरेश साहू, मूलचंद चक्रधारी, संतोष यादव, भूखन साहू, रमेश धुरिया का सहयोग रहा।

मेडिकल कालेजों में सहायक प्राध्यापकों की सीधी भर्ती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

शासकीय मेडिकल कालेजों में चिकित्सा शिक्षकों की कमी दूर करने सहायक प्राध्यापकों की सीधी भर्ती के लिए सवा महीने से इंटरव्यू शेड्यूल जारी होने का इंतजार किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के माध्यम से विभिन्न सुपर स्पेशलिटी के साथ 35 विभागों में 125 डाक्टरों की भर्ती की जाएगी। चिकित्सा शिक्षा विभाग इसके माध्यम से नए कालेजों के साथ पुराने चिकित्सा महाविद्यालयों में भी शिक्षकों की कमी को दूर करने का प्रयास कर रहा है। स्वास्थ्य विभाग काफी समय बाद राज्य के शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में सीधी भर्ती की प्रक्रिया पूरी कर रहा है। 125 असिस्टेंट प्रोफेसरों की भर्ती के लिए सीजीपीएससी को जिम्मेदारी दी गई है।

सवा महीने से साक्षात्कार शेड्यूल का इंतजार

सीधी भर्ती में किसी तरह की परीक्षा का आयोजन नहीं किया जाता। आने वाले आवेदनों के आधार पर इंटरव्यू के माध्यम से योग्यता के आधार पर मेरिट लिस्ट जारी कर आवेदन करने वालों को ज्वाइनिंग दी जाती है। असिस्टेंट प्रोफेसर की भर्ती के लिए पीएससी द्वारा 24 दिसंबर तक आवेदन बुलाए गए थे। आवेदन की अंतिम तिथि को समाप्त हुए करीब सवा महीने बीत चुके हैं और शासकीय कालेजों में सेवा देने के इच्छुक अभ्यर्थियों को साक्षात्कार का टाइम टेबल जारी होने का इंतजार है। सूत्रों का कहना है कि इंटरव्यू के बाद चयन सूची जारी कर नए डाक्टरों का पदस्थापना आदेश जारी किया जाएगा। इन डाक्टरों की भर्ती के बाद मानव संसाधन की कमी से जूझने वाले शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में शिक्षकों की कमी काफी हद तक दूर हो जाएगी। इनकी भर्ती से ना केवल चिकित्सा महाविद्यालयों में शिक्षकों की दूर होगी बल्कि उनसे संबंधित अस्पतालों में डाक्टरों की संख्या बढ़ने से उपचार सुविधाओं में भी बढ़ोतरी होगी।

खबर संक्षेप

नवागांव में शिव महापुराण 10 से

सिर्री। ग्राम नवागांव (थूहा) के नया बाजार चौक में शिव शक्ति परिवार एवं ग्रामवासियों के सहयोग से 10 से 15 फरवरी तक पांच दिवसीय शिव महापुराण कथा का आयोजन रखा गया है। 10 फरवरी को कलशयात्रा के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। कथावाचक गंगा देवी हैं। प्रवचन का समय 1 से 5 बजे तक है।

नवागांव कचना में मड़ई 12 को

जीजामगांव। ग्रामवासियों के सहयोग से इस वर्ष भी नवागांव कचना में मोर संगी जहुरिया मड़ाई मिलन समारोह का आयोजन 12 फरवरी को किया गया है। रात्रि में मनोरंजन के लिए राधाकृष्ण नाचा पार्टी ग्राम धुर्रे बंजारी थाना झिरिया महाराष्ट्र की प्रस्तुति होगी।

आर्ट ऑफ लिविंग हैप्पीनेस प्रोग्राम 17 से

अंवरी। आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन द्वारा भखारा के वार्ड क्रमांक 15 में हैप्पीनेस प्रोग्राम का आयोजन 17 से 22 फरवरी तक प्रतिदिन सुबह 6 से 8.30 बजे तक होगा। इस कार्यक्रम की विशेषता विश्व प्रसिद्ध सुदर्शन क्रिया है, जिसे ओस्लो विश्वविद्यालय द्वारा प्रमाणित किया गया है। यह विश्व के 180 से अधिक देशों में सफलतापूर्वक संचालित की जा रही है। तैयारी में आयोजन समिति के हिरेन्द्र साहू, बसंत बैस, विजय सोन, डॉ बनपेला, घनश्याम वर्मा, वीरेंद्र बैस, जितेंद्र तेलासी, गोविन्द यादव, लीलाधर साहू, पार्षद गौतमी नोहरू पटेल जुटे हैं।

वार्षिक प्रायोगिक परीक्षा 17 से

कुरुद। संत घासीदास विश्वविद्यालय द्वारा बीएससी द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के छात्र-छात्राओं के लिए वार्षिक प्रायोगिक परीक्षा की समय-सारणी जारी कर दी गई है। परीक्षाएं 17 से शुरू होकर 21 फरवरी तक चलेंगी। मुख्य विषयों में 17 फरवरी को जूलॉजी सुबह 9 बजे, 18 फरवरी को फिजिक्स एवं बॉटनी की परीक्षा सुबह 10:30 बजे होगी। इसी प्रकार 21 फरवरी को बायोटेक्नोलॉजी की परीक्षा सुबह 11 बजे होगी। संस्थान द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करना अनिवार्य है। सभी परीक्षार्थियों को परीक्षा शुरू होने से आधा घंटा पूर्व संबंधित विभाग में उपस्थित होना होगा। अपने साथ प्रायोगिक फाइल और लेखन सामग्री अवश्य लाएं। निर्धारित तिथि और समय पर उपस्थित न होने की स्थिति में पूरी जिम्मेदारी छात्र की स्वयं की होगी।

जनसहयोग से स्वच्छता महाभियान चलाकर खरोरा तालाब, घाटों और आसपास के स्थलों को किया कचरा और प्लास्टिक मुक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

बड़े आयोजनों के छोटे शहर महासमुंद में स्वच्छता के लिए निरंतर जागरुकता लाते हुए एवं सभी सामाजिक संगठनों एवं पर्यावरण संरक्षक संस्थाओं के साथ एकता के एक सूत्र में बांधते हुए नेतृत्वकर्ता समूह हमर भुईयां पर्यावरण संरक्षक संस्था और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने रविवार को महासमुंद शहर में स्वच्छता अभियान के अपने ऐतिहासिक महाअभियान की नवीन श्रृंखला के द्वितीय चरण में ग्राम खरोरा स्थित सरोवर एवं शहीद स्मारक स्थल, मंदिर परिसर को प्लास्टिक मुक्त कचरे, डिस्पोजल, झिल्लियों एवं पोखर को साफ करते हुए बड़ी मात्रा में जलकुंभी को हटाने का कार्य जनसहयोग से किया गया।

हमर भुइयां संस्था के अध्यक्ष नूरेन चंद्राकर ने बताया कि इस वर्ष तालाब स्वच्छता महाअभियान के द्वितीय चरण में ग्राम खरोरा स्थित तालाब में जनसहयोग से स्वच्छता कार्यक्रम कर महासमुंद नगर और आस–पास के ग्रामों के तालाबों, जलाशयों को प्लास्टिक कचरे से पूर्णतः मुक्त करने के सामूहिक प्रयास करते हुए आसपास के लोगों और प्रकृति प्रेमियों व युवाओं में स्वच्छता के प्रति जागरुकता लाने का प्रयास किया है। आयोजक संस्था ने इस पुनीत कार्य में सभी समाजजनों से अपनी सहभागिता एवं योगदान देते हुए समय समय पर अपना श्रमदान करते हुए योगदान देने की अपील की है। आज के स्वच्छता अभियान में जिन संस्थाओं एवं स्वयंसेवी संस्थाओं ने पूरी तत्परता, कर्तव्यनिष्ठा एवं अपनत्व से अपने आसपास के पर्यावरण की साफ रखने के उद्देश्य को साकार करने के लिए अपना अमूल्य समय निकालकर आज के स्वच्छता अभियान को सफल बनाया। आईएमए एवं हमर भुईयां संस्था ने उन सभी पर्यावरण मित्रों एवं जागरूक साथियों का आभार एवं साधुवाद दिया है।

22 को बेलसोंडा के तालाब में स्वच्छता अभियान

विदित हो कि आगामी तृतीय चरण में 22 फरवरी 2026 को ग्राम बेलसोंडा स्थित सरोवर में स्वच्छता अभियान को गति देना है। आयोजक संस्था ने सभी समाज के सदस्यों, स्वयंसेवी संस्थाओं, व्यापारिक संगठनों, एनसीसी, स्काउट एवं रोवर रेंजर के साथियों से उक्त स्वच्छता कार्यक्रम में सहयोग का अनुरोध किया है। 8 फरवरी को इस स्वच्छता अभियान में आयोजक संस्था हमर भुईयां महासमुंद से नूरेन चंद्राकर, नारद यादव, उमेश चंद्राकर उपस्थित रहे और सराहनीय भूमिका निभाई। इसी कड़ी में प्रायोजक संस्था आईएमए महासमुंद की तरफ से आदित्य हॉस्पिटल से डायरेक्टर डॉक्टर ज्योति कालीकोटी एवं स्टाफजनों में दुर्गा प्रसाद साहू, द्वारिका साहू, लियाकत खान, जफर खान, सतीश औसर, विवेक साहू, संजय यादव, रमेश सिंह, भुनेश्वर साहू, प्रमिला मानिकपुरी, जुलौतिन बी, इंद्राणी साहू द्वारा स्वच्छता अभियान में विशेष रूप से सहयोग किया गया। लंबे समय से महासमुंद शहर में कार्य कर रही संस्था ग्रीन केयर सोसायटी के अध्यक्ष लोकेश चंद्राकर ने विशेष सहयोग दिया। ग्राम पंचायत खरोरा से पूर्व सरपंच देवदत्त चंद्राकर, सुनीता चंद्राकर, गुंजा चंद्राकर, पंच मनीष चंद्राकर, दयालु चंद्राकर, हेमेंद्र चंद्राकर, मुकेश चंद्राकर, उपसरपंच संजय चंद्राकर, राकेश पटेल, माधव धीवर, राहुल यादव, जगेसर चंद्राकर ने भरपूर सहयोग किया। इसी क्रम में भूतपूर्व सैनिक संघ महासमुंद से अध्यक्ष युवराज सिंह चंद्राकर, प्रदीप चंद्राकर, कनक राम निषाद, लक्ष्मी चंद, रविंद्र नायक, बंशी लाल सिन्हा, बीपी वर्मा, अंजना चंद्राकर एवं अन्य सैनिक परिवारों के सदस्यों ने साफ सफाई करते हुए अपना श्रमदान किया, जो कि स्वागतेय है। आस्था वेलफेयर एवं एजुकेशन सोसाइटी से तारिणी चंद्राकर, तुषार चंद्राकर, जय कुमार ने सेवाएं दी। पूर्व जनप्रतिनिधि के रूप में शोभा शर्मा पूर्व पार्षद ने स्वयं आकर बढ़ चढ़कर इस महाभियान का हिस्सा बनी।

महर्षि विद्या मंदिर के छात्रों का रहा सहयोग

बास्केट बॉल एसोसिएशन जिला महासमुंद के चेयरपर्सन पंकज सोनी ने भी श्रमदान करते हुए नगरवासियों से इसमें अपनी सहभागिता सुनिश्चित करते हुए श्रमदान करने सहयोग किया। महर्षि विद्या मंदिर के होनहार छात्रों की टीम स्वान यूथ क्लब से अध्यक्ष निलेश कुमार तिवारी, सचिव ग्रंथ चोपड़ा, लक्ष्य यादव, भविष्य चंद्राकर ने भी आकर साफ सफाई करते हुए अपना योगदान दिया। महासमुंद नगर एवं आसपास के जल श्रोतों, सरोवरों को एवं आसपास के वातावरण को हमेशा शुद्ध, साफ रखते हुए अनुशासन का परिचय देते हुए आईएमए एवं हमर भुइयां की तरफ से किए गए इस दूसरे पड़ाव को सभी संगठनों के सामूहिक प्रयासों से सफलतापूर्वक सरोवर एवं आसपास के परिसर को प्लास्टिक मुक्त किया गया।

आयोजन : तरेकेला में श्रीमद भागवत कथा का आयोजन, विधायक ने लिया आशीर्वाद

सत्य, प्रेम, करुणा का मार्ग दिखाता है भागवत महापुराण : विधायक

हरिभूमि न्यूज ⏭ बसना

- ग्राम तरेकेला में श्रीमद भागवत कथा का आयोजन, विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने की क्षेत्र की खुशहाली की कामना
- विधायक ने कथावाचक शास्त्री का किया अभिनंदन, कहा- भागवत कथा सिखाती है जीवन जीने की वास्तविक कला

आस्था और भक्ति की त्रिवेणी में सराबोर बसना विधानसभा क्षेत्र के ग्राम तरेकेला में आयोजित श्रीमद भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह में क्षेत्र के विधायक डॉ. संपत अग्रवाल मुख्य रूप से सम्मिलित हुए। इस दौरान उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए प्रार्थना की।

समारोह में विधायक डॉ. अग्रवाल ने कथावाचक ज्योति शास्त्री का आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने शास्त्री को श्रीफल, अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया। प्रत्युत्तर में कथावाचक ज्योति शास्त्री ने भी विधायक डॉ. संपत अग्रवाल की जनसेवा की भावना की सराहना करते हुए उनका मंगल तिलक लगाकर स्वागत किया।

श्रीमद भागवत कथा का श्रवण करने के पश्चात श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने भक्ति के महत्व पर विशेष प्रकाश डाला। उन्होंने प्रेरणादायी शब्दों में कहा कि श्रीमद भागवत कथा केवल श्रवण मात्र का विषय नहीं है, बल्कि यह मनुष्य को वास्तविक जीवन जीने की कला सिखाती है, जिसके प्रभाव से मन के भीतर के अंधकार का नाश होता है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। विधायक डॉ. अग्रवाल ने इस बात पर जोर दिया कि भागवत महापुराण का वास्तविक सार हमें सत्य, प्रेम और करुणा के मार्ग पर चलने की निरंतर प्रेरणा देता है। साथ ही उन्होंने इस भव्य आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में समरसता, एकता और आपसी भाईचारे की भावना सुदृढ़ होती है, जो क्षेत्र की उन्नति के लिए अत्यंत आवश्यक है।

विधायक डॉ अग्रवाल ने कहा कि श्रीमद भागवत कथा से जीवन में भक्ति, ज्ञान और वैराग्य का प्रादुर्भाव होता है। भगवान कृष्ण की लीलाएं हमें संकट के समय भी अडिग रहने और धर्म के साथ खड़े होने का साहस देती हैं। कथा स्थल पर कथा वाचिका ज्योति शास्त्री, प्राचीन कबीर कुटी तरेकेला महंत लखन मुनि साहेब, भाजपा जिला उपाध्यक्ष हरप्रसाद पटेल (अम्बु), पिरदा मंडल अध्यक्ष अभिमन्यु प्रधान, सरपंच तरेकेला जमुना प्रेमसागर पटेल, प्रेमसागर पटेल, ग्राम गौटिया नेपाल सिंह पटेल, भूमि दानदाता मोतीलाल दाऊ, पूर्व सरपंच मुरली नायक, उदाल सिंह सिदार, डमरूधर पटेल, बिहारी लाल पोर्ते, हृदय सिंह पटेल, मोतीलाल पटेल, लाल सिंह सिदार, वीरेंद्र पटेल, ललित पटेल, हित लाल निषाद, चक्रधर पटेल, मंडल महामंत्री सुभाष बंजारा, मंडल महामंत्री मनीराम, सरपंच नौगड़ी मोहर साय, सुरेश दास, निज सचिव नरेंद्र बोरे, पत्रकार ऋषिकेशन दास, पत्रकार अभय धृतलहरे आदि उपस्थित रहे। कथावाचक ज्योति शास्त्री के भजनों और प्रवचनों से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। विधायक ने काफी समय श्रद्धालुओं के बीच बैठकर कथा का रसपान किया और अंत में आरती में भाग लेकर सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नहीं थम रहा अवैध रेत परिवहन का सिलसिला

हरिभूमि न्यूज ⏭ बसना

- अवैध रेत परिवहन को रोकने में शासन-प्रशासन नाकाम

सांकरा जोंक नदी माटीदरहा, बिजेपुर घाट से रेत का अवैध परिवहन रेत माफियाओं द्वारा बसना सांकरा क्षेत्र में किया जा रहा है। माटीदरहा घाट से अवैध रेत परिवहन थमने का नाम नहीं ले रहा है। रेत को भारी मात्रा में परिवहन कर खपाया जा रहा है। अवैध रेत परिवहन को रोकने में शासन प्रशासन नाकाम साबित हो रही है। रेत का अवैध परिवहन शासन प्रशासन के अधिकारियों के नाक के नीचे से हो रहा है और अधिकारी इस मामले को लेकर गंभीर नहीं है। शासन प्रशासन को रेत घाट से मिलने वाली राजस्व की हानि हो रही है आखिर क्यों? क्या इसकी जानकारी खनिज विभाग के अधिकारियों को नहीं है अगर है तो कार्रवाई क्यों नहीं हो रही है।

बता दें कि प्रतिदिन सबेरे से लेकर देर रात तक माटीदरहा बिजेपुर घाट से अवैध रेत परिवहन का खेल बदस्तूर जारी है। प्रतिदिन सैकड़ों ट्रैक्टर में रेत भरकर परिवहन खुले आम किया जा रहा है। इसे रोका जाना आवश्यक है। ताकि, शासन प्रशासन को राजस्व की हानि से बचाया जा सके।

रेत परिवहन करने वाले रेत माफियाओं के विरुद्ध छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियमावली 2015 के नियम 71(5) तथा खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21(5) के तहत दंडात्मक कार्रवाई किए जाने का प्रावधान है। इसके तहत कार्रवाई किया जाना चाहिए। इस संबंध में खनिज निरीक्षक और जिला खनिज अधिकारी से संपर्क करने की कोशिश की गई, परंतु उनके द्वारा मोबाइल रिसीव नहीं किया गया।

नपाध्यक्ष ने किया बोर खनन कार्य का शुभारंभ

महासमुंद। नगर के वार्ड क्रमांक 21 स्थित आश्रम कांपलेक्स के समीप ब्राह्मण समाज भवन परिसर में नवीन बोर खनन कार्य का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू ने नपा सभापति एवं पार्षदों को उपस्थिति में किया। उन्होंने पूजा अर्चना कर समाजजनों को बधाई देते हुए कहा कि अब सामाजिक कार्यक्रमों के दौरान पेयजल की समस्या नहीं होगी। साहू ने बताया कि समाज की मांग पर उक्त बोर खनन अध्यक्ष निधि से किया गया है। इस अवसर पर सभापति सूरज महानंद, पार्षद शुभ्रा मनीष शर्मा, धनेश्वरी सोनाधर सोनवानी, मनीष शर्मा, समाजजन प्रमोद तिवारी, अश्वनी तिवारी, संतु तिवारी, रत्नेश साहू आदि उपस्थित थे।

छिबर्रा ने जीता भंवरपुर टूर्नामेंट, ड्यूज बॉल क्रिकेट का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ बसना

फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब भंवरपुर द्वारा आयोजित ड्यूज बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल छिबर्रा ने जीता। समापन समारोह के मुख्य अतिथि अनुराग शर्मा उपसरपंच ग्राम पंचायत भंवरपुर एवं विशिष्ट अतिथि महेंद्र पटेल संचालक बालाजी, एग्रो इंडस्ट्रीज संकेत अग्रवाल, लोकेश पटेल संचालक श्याम हॉस्पिटल, भूषण पटेल संचालक पटेल फ्यूल्स इंडियन ऑयल थे। इसका उद्घाटन भंवरपुर सरपंच कृष्ण कुमार सिदार के मुख्य आतिथ्य में किया गया। मैन ऑफ द सीरीज क्षीरसागर बुडेक, मैन ऑफ द मैच फाइनल योगेश प्रधान, बेस्ट बैट्समैन सौभाग्य प्रधान, बेस्ट बॉलर योगेश प्रधान, बेस्ट विकेट कीपर संदीप साहू, बेस्ट फील्डर रत्नेश प्रधान थे। प्रथम पुरस्कार विजेता छिबर्रा 15000 रुपए एवं ट्रॉफी और द्वितीय पुरस्कार भंवरपुर 8000 रुपए एवं ट्रॉफी दिया। फाइनल मैच में भंवरपुर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। जिसमें छिबर्रा के टीम ने पहले बल्लेबाजी कर 15 ओवर में 135 रन 9 विकेट के नुकसान पर बनाए। जिसके जवाब टीम भंवरपुर ने 15 ओवर में मात्र 106 रन में ही 8 विकेट नुकसान पर भंवरपुर टीम बना पाई। टीम छिबर्रा फाइनल मैच को आसानी से 29 रनों से जीत दर्ज की। समापन अवसर पर समस्त क्रिकेट खिलाड़ी ग्रामवासी मौजूद थे। फाइनल मैच के अंपायर तुलाराम भोई, जमुना लाल नंद थे।

राष्ट्रीय खिलाड़ियों व प्रतिभावान छात्रों को मोमेंटो व प्रमाण से किया गया सम्मानित

बेमचा स्कूल में वार्षिकोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला बेमचा में वार्षिकोत्सव एवं प्रतिभावान सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा, अध्यक्षता चंद्रहास चंद्राकर अध्यक्ष बीज निगम, विशिष्ट अथितिगण द्वारिका प्रसाद चंद्राकर, हुलसी चंद्राकर जनपद उपाध्यक्ष, जनपद सदस्य संगीता राहुल चंद्राकर, राहुल चंद्राकर कोषाध्यक्ष भाजपा, देवेंद्र चंद्राकर सरपंच, देवेंद्र चंद्राकर महासमुंद, पवन पटेल जिला अध्यक्ष किसान मंच, धर्मेंद्र महोबिया, हरबंश सिंह ढिल्लो, शरद मराठा, नईम खान, शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष लखनु राम निर्मलकर, विधायक प्रतिनिधि रविकांत चंद्राकर, उपसरपंच सुनीता कहार, सरस्वती जांगड़े, वरिष्ठ नागरिक भगत राम साहू, रमेश चंद्राकर, हीरालाल साहू, सेवती यादव, राम दयाल साहू, लीलाधर साहू, सेवानिवृत प्राचार्य डीआर डहरिया संस्था से नवपदोन्नत प्राचार्य तुलेंद्र सागर गढ़सिवनी के आतिथ्य में कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन के साथ राजकीय गीत का सस्वर संगीतमय वातावरण में केआर सागर के निर्देशन में हुआ। नन्हे मुन्ने बच्चों द्वारा नृत्य के साथ अतिथियों का स्वागत किया गया। पश्चात प्राथमिक शाला से खेमिन साहू शिक्षिका, उच्च प्राथमिक शाला से खेमराज साहू शिक्षक एवं हायर सेकंडरी स्कूल से किरण पटेल व्याख्याता के संचालन में सांस्कृतिक कार्यक्रम में देशभक्ति, लोक संस्कृति, लोक नृत्य, नाटक, एवं फैंसी ड्रेस के साथ नशा उन्मूलन सन्देश देते बच्चों की प्रस्तुति को पलकों ने खूब सराहा। सांस्कृतिक कार्यक्रम के बाद अंतरराष्ट्रीय बॉल बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्मी चंद्राकर एवं राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों एवं प्रतिभावान विद्यार्थियों को अतिथियों के करकमलों से सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि योगेश्वर राजू सिन्हा विधायक ने बच्चों के प्रस्तुति व प्रतिभा को प्रोत्साहित करते हुए खेल मैदान, स्टेडियम, एवं गौरव पथ व महतारी सदन का निर्माण के साथ हायर सेकेंडरी स्कूल भवन की घोषणा अपने उद्बोधन में दिया। संस्था के प्राचार्य सोहन लाल पाटकर ने आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का संचालन किरण पटेल, खेमराज साहू एवं खेमिन साहू ने संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम में खेल शिक्षक डॉ सेवन दास मानिकपुरी, एसएल पाटकर, केआर सागर, पीके ध्रुव, वायएस बलिहार, नवीन चंद्राकर, किरण पटेल, तारिणी कहार, महेश्वरी साहू, कुंती दीवान, गंगा बंजारे, जुगनी गुंबर, अमृता कौर, संगीता चंद्राकर, आराधना साहू, डॉ सेवनदास मानिकपुरी, विनोद वर्मा, मनीष साहू, पूर्णिमा सिन्हा, रश्मि चंद्राकर, हेमलता साहू, सुमन कोसरे शहनाज बानो खान, खेमराज साहू, गुहन लाल साहू, तृप्ति दानियल, टाकेश्वर प्रसाद साहू, गजेन्द्र साहू, खेमिन साहू, सीमा चंद्राकर, कार्यालयीन स्टॉप में शकुंतला सोनी, सुषमा सागर, रूखमणी साहू, जागेश्वरी गोस्वामी आदि मौजूद रहे।

आकांक्षा पात्रे एवं विद्यालय के छात्र-छात्राओं व पालकगण उपस्थित रहे।